LPG connections are released to waitlisted applicants according to the serial order of registration, depending on new customer enrolment allotted to a distributor, based on the slack available with the distributor, waiting list and product availability.

(c) and (d) As on 1.10.1993, there were 6.52 lakhs applicants on the waiting list in Gujarat.

(e) Higher LPG production is planned by increasing the capacity of existing production sources and by putting up new plants and augmenting the supplies throug imports.

(f) A customer who wants a second cylinder may get his name registered with his distributor. The distributor will release the second cylinder on a first-come-first served basis, subject to availability.

मंत्री महोदय के वैवेकिक कोटे से पेट्रोल पम्पों तथा गैस एजेंसियों के लिए आशय पत्र

1789. **श्री महेन्द्र सिंह लाठर:** क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि मार्च-जून, 1991 के दौरान मंत्री महोदय के वैवेकिक कोटे से पेट्रोल पंपों तथा गैस एजेंसियों के लिए कुछ आशय पत्र जारी किये गये थे और उन्हें पुनरीक्षण के लिए आस्थगित रखा गया था;

(ख) यदि हां, तो कितने मामलों में पुनरीक्षण के बाद स्वीकृति प्रदान की गई थी;

(ग) क्या सरकार ने इस पुनरीक्षण के लिए किन्हीं मानदंडों का पालन किया है;

(घ) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है और पुनरीक्षा के पश्चात् मामलों को स्वीकृति देने अथवा उन्हें अस्वीकार करने के आधार तथा कारण क्या-क्या हैं; और

(ङ) सरकार के समीक्षाधीन मामलों में मनमानी नीति का अनुसरण किये जाने के क्या कारण है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा): (क) जी, हां।

(ख)	खुदरा बिक्री केन्द्र	27
	एल पी जी डिस्ट्रीब्यूटरशिप . .	09

(ग) से (ङ) इन मामलों के पुनरीक्षण में सरकार द्वारा डीलरशिप/डिस्ट्रीब्यूटरशिप खोलने के लिए आबंटियों को परिस्थितियों और उनके बारे में तथ्यों तथा आबंटियों द्वारा किए गए निवेश सहित सभी अन्य पहलुओं को ध्यान में रखा गया है।

उत्तर प्रदेश में खुदरा दुकानों के लिए इंडियन आयल कारपोरेशन द्वारा जारी किये गये आशय-पत्र

1790. **श्री राम गोपाल यादव:**
श्री ईश दत्त यादव:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इंडियन आयल कारपोरेशन द्वारा मार्च-जून, 1991 के दौरान मंत्री के वैवकिक कोटे से उत्तर प्रदेश में पेट्रोल/डीजल की बिक्री हेतु खुदरा दुकानों हेतु (पेट्रोल/डीजल पंप) के लिए कितने आशय पत्र जारी किये थे;

(ख) इनकी समीक्षा किये जाने के बाद इनमें से कितने लोगों को स्वीकृति प्रदान की गई है;

(ग) सरकार ने समीक्षा के लिए क्या मानदंड अपनाया है और किन आधारों तथा कारणों से स्वीकृति अथवा अस्वीकृति प्रदान की गई; और

(घ) समीक्षाधीन मामलों को स्वीकृति प्रदान करने के संबंध में सरकार द्वारा पक्षतापूर्ण नीति अपनाये जाने के क्या कारण हैं?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में स्वतंत्र प्रभार (कैप्टन सतीश शर्मा): (क) और (ख) स्वविवेक कोटे से निर्गत आठ आशय-पत्रों में से पुनरीक्षा के उपरान्त तीन को जारी करने की स्वीकृति दी गई है।

(ग) इन मामलों की पुनरीक्षा करते समय सरकार ने आबंटितियों द्वारा किए गए निवेश सहित आबंटितियों की परिस्थितियों एवं उनके बारे में तथ्यों तथा अन्य समस्त पहलुओं को ध्यान में रखा है।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।